एम. एल. झिंगन

व्यष्टि अर्थशास्त्र

micro economics

द्वितीय संस्करण

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

भाग एक
मूल धारणाएँ
(BASIC CONCEPTS)

1. अर्थशास्त्र का क्षेत्र और प्रकृति **1–22**
(The Nature and Scope of Economics)

प्रस्तावना; अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु; राबिन्स की दुर्लभता परिभाषा; इसकी आलोचनाएँ; निष्कर्ष; एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख अथवा केन्द्रीय समस्याएँ; निष्कर्ष; समाज की उत्पादन संभावनाएं या उत्पादन संभावना वक्र; उत्पादन संभावना वक्र के उपयोग; आर्थिक क्रिया का चक्रीय प्रवाह—दो-क्षेत्र अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रवाह; तीन-क्षेत्र अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रवाह; अर्थशास्त्र विज्ञान के रूप में; अर्थशास्त्र—यथार्थ अथवा आदर्श विज्ञान; अर्थशास्त्र यर्थाथ विज्ञान के रूप में; अर्थशास्त्र आदर्श विज्ञान के रूप में; निष्कर्ष; प्रश्न

2. अर्थशास्त्र में कार्यपद्धति-विषयक वाद विषय **23–41**
(Methodological Issues in Economics)

प्रस्तावना; सैद्धांतिक अर्थशास्त्र या आर्थिक सिद्धांत की प्रकृति; वैज्ञानिक सिद्धांत के सोपान; सैद्धान्तिक अर्थशास्त्र के उपयोग; सैद्धांतिक अर्थशास्त्र की सीमाएं; सैद्धान्तिक अर्थशास्त्र की विधियां—निगमन एवं आगमन—निगमनिक विधि; निगमन विधि के गुण; निगमन विधि के दोष; आगमनिक विधि; आगमनिक विधि के गुण; आगमनिक विधि के दोष; निष्कर्ष; आर्थिक नियमों (या सामान्यीकरण) की प्रकृति—आर्थिक नियमों का अर्थ; उनकी प्रकृति; आर्थिक सिद्धांत में मान्यताओं की प्रकृति, कार्य और महत्व; इसकी आलोचनाएं; प्रश्न

3. आर्थिक मॉडल **42–52**
(Economic Models)

प्रस्तावना; अर्थ और प्रकृति, मॉडल निर्माण में धारणायें; एक व्यष्टि-स्थैतिक मॉडल का निर्माण—इसकी मान्यताएँ; मॉडल; एक आर्थिक मॉडल के निर्माण और टैस्ट करने की प्रक्रिया; मॉडलों में चुनाव; आर्थिक मॉडल की सीमाएं; मॉडलों के प्रयोग; प्रश्न

Scanned by TapScanner

4. व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र 53–66
(Micro and Macroeconomics)

प्रस्तावना; व्यष्टि अर्थशास्त्र—इसका अर्थ; इसका क्षेत्र; व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्व; व्यष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएँ; समष्टि अर्थशास्त्र—इसका अर्थ; समष्टि अर्थशास्त्र का क्षेत्र और महत्व; निष्कर्ष; समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएँ; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद; दोनों मार्गों के परस्पर सम्बन्ध तथा समाकलन की समस्याएँ; प्रश्न

5. आर्थिक स्थैतिकी तथा प्रावैगिकी 67–82
(Economic Statics and Dynamics)

प्रस्तावना; आर्थिक स्थैतिकी; व्यष्टि स्थैतिकी; समष्टि-स्थैतिकी; आर्थिक प्रावैगिकी; कॉबबैब मॉडल—व्यष्टि प्रावैगिकी; इसकी मान्यताएँ; मॉडल; इसकी सीमाएँ; इसके निहितार्थ; समष्टि-प्रावैगिकी; तुलनात्मक स्थैतिकी; इसकी सीमाएँ; इसका महत्व; आर्थिक स्थैतिकी का महत्व; सीमाएं; आर्थिक प्रावैगिकी का महत्व; आर्थिक प्रावैगिकी की सीमाएं; स्थिर अवस्था पर टिप्पणी; इसकी सीमाएं; प्रश्न

6. संतुलन की धारणा 83–95
(The Concept of Equilibrium)

अर्थ; स्थैतिक संतुलन; प्रावैगिक संतुलन; स्थिर बनाम अस्थिर संतुलन; तटस्थ संतुलन; आंशिक संतुलन—इसकी मान्यताएं; इसके गुण; सीमाएं; सामान्य संतुलन—इसकी मान्यताएं; सामान्य संतुलन व्यवस्था का कार्यकरण; इसकी सीमाएं; सामान्य संतुलन विश्लेषण के लाभ; प्रश्न

7. कीमत तंत्र का कार्य 96–106
(The Role of Price Mechanism)

कीमत तंत्र का अर्थ; कीमतों का कार्य या कीमत तंत्र की मुक्त अर्थव्यवस्था में कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र; मुक्त मार्किट अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र की सीमाएं; प्रश्न

भाग दो
मांग सिद्धांत
(DEMAND THEORY)

8. नव-क्लासिकी मांग विश्लेषण 107–128
(The Neo-classical Demand Analysis)

प्रस्तावना; उपयोगिता विश्लेषण की मान्यताएँ; कुल उपयोगिता बनाम सीमान्त उपयोगिता; घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम; आनुपातिकता का नियम;

मांग—एक उपभोक्ता की मांग अनुसूची और वक्र; मार्किट मांग अनुसूची और वक्र; मांग में परिवर्तन; मांग का नियम; इसकी मान्यताएं; मांग वक्र के नीचे की ओर ढालू होने का कारण; मांग नियम के अपवाद; आय मांग; प्रति मांग; अल्पकालीन और दीर्घकालीन मांग वक्र; मांग सिद्धान्त या उपयोगिता विश्लेषण के दोष; प्रश्न

). उदासीनता वक्र सिद्धान्त (The Indifference Curve Theory) 129-188

प्रस्तावना; उदासीनता वक्र; उदासीनता वक्र विश्लेषण की मान्यताएं; उदासीनता वक्रों की विशेषताएँ; स्थानापन्नता की सीमान्त दर; उपभोक्ता का संतुलन; उपभोक्ता के संतुलन के कोण हल; आय प्रभाव; स्थानापन्नता प्रभाव—हिक्स का स्थानापन्नता प्रभाव; स्लट्स्की का स्थानापन्नता प्रभाव; निष्कर्ष; कीमत प्रभाव; कीमत प्रभाव से स्थानापन्नता प्रभाव और आय प्रभाव को अलग करना—हिक्स विधि; एक घटिया वस्तु के लिए स्थानापन्नता और आय प्रभाव; गिफ्फन वस्तु के लिए स्थानापन्नता और आय प्रभाव; निष्कर्ष; स्लट्स्की विधि; स्लट्स्की बनाम हिक्स: कीमत प्रभाव से स्थानापन्नता प्रभाव और आय प्रभाव को अलग करना; कीमत उपभोग वक्र से मांग वक्र खींचना—मान्यताएं; क्षतिपूरित मांग वक्र—मार्शल का अक्षतिपूरित या साधारण मांग वक्र; हिक्स का क्षतिपूरित मांग वक्र; स्लट्स्की का क्षतिपूरित मांग वक्र; निष्कर्ष; उदासीनता वक्र विश्लेषण में स्थानापन्न और पूरक; कीमत उपभोग वक्र से मांग की लोच मापना; उदासीनता वक्र विश्लेषण के लाभ तथा व्यावहारिकता—विनिमय की समस्या; उपभोक्ताओं पर सब्सिडी के प्रभाव; राशनिंग की समस्याओं को हल करने में; सूचकांक: रहन-सहन की लागत मापना; आय-अवकाश विनिमय और श्रम की पूर्ति; पीछे की ओर ढालू श्रम का पूर्ति वक्र; आय प्रभाव बनाम उत्पादन शुल्क; एक व्यक्ति की बचत योजना; उपभोक्ता की बचत का माप; उदासीनता वक्र तकनीक की उपयोगिता विश्लेषण से श्रेष्ठता; उदासीनता वक्र विश्लेषण की आलोचनाएँ; प्रश्न

). जोखिम अथवा अनिश्चितता वाले चुनावों का आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण (The Modern Utility Analysis of Choices involving Risk or Uncertainty) 189-198

समस्या, बर्नोली उपकल्पना; उपयोगिता मापने की न्यूमैन-मोरगन्स्टर्न विधि—इसकी मान्यताएं; N-M उपयोगिता सूचक; इसका मूल्यांकन; फ्रीडमैन-सेवेज उपकल्पना; मार्कोविज उपकल्पना; आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण का समीक्षात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

Scanned by TapScanner

11. **मांग का प्रकटित (उद्‌घाटित) अधिमान सिद्धांत**
(The Revealed Preference Theory of Demand)

प्रस्तावना; चुनाव अधिमान को प्रकट करता है; मांग का नियम—इसकी मान्यताएं; मांग प्रमेय या आधारभूत प्रमेय; प्रकटित अधिमान से मांग वक्र की व्युत्पत्ति; प्रकटित अधिमान से उदासीनता वक्र व्युत्पन्न करना—इसकी मान्यताएँ; प्रकटित अधिमान सिद्धान्त की श्रेष्ठता; प्रकटित अधिमान सिद्धान्त के दोष; प्रश्न

12. **हिक्स द्वारा माँग सिद्धांत का संशोधन: तर्कसंगत आदेश का मांग सिद्धान्त** 21…
(Hics Revision of Demand Theory: Demand Theory of Logical Ordering)

भूमिका; सशक्त और दुर्बल आदेश; हिक्स के मांग सिद्धांत में दुर्बल आदेश का प्रयोग; प्रत्यक्ष संगति परीक्षण; दुर्बल (या तर्कसंगत) आदेश का मांग सिद्धांत—मांग के सिद्धांत की व्युत्पत्ति; इसकी श्रेष्ठता; इसकी कमियाँ; प्रश्न

13. **मांग की लोच** 223-2…
(The Elasticity of Demand)

भूमिका; मांग की कीमत लोच; मांग की कीमत लोच मापने की विधियाँ; लोच और मांग वक्र की ढलान; मांग की प्रतिलोच: पूरक वस्तुओं की प्रतिलोच; मांग की आय लोच; स्थानापन्नता की मांग लोच—उदासीनता वक्र विश्लेषण से स्थानापन्नता लोच की व्याख्या; कीमत लोच के सिद्धान्त का महत्व; प्रश्न

14. **उपभोक्ता की बचत की व्याख्या** 248-25…
(The Concept of Consumer's Surplus)

प्रस्तावना; धारणा का कथन; आलोचनाएँ; उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता की बचत; हिक्स का पुर्ननिर्माण: उपभोक्ता बचत के चार माप—क्षतिपूरक परिवर्तन; समान परिवर्तन; कीमत समान परिवर्तन; मात्रा समान परिवर्तन; निष्कर्ष; प्रश्न

15. **मांग सिद्धान्त में नूतन विकास** 260-278
(Recent Developments in Demand Theory)

भूमिका; मांग सिद्धांत की व्यावहारिक धारणा—स्थिर लोच का मांग फलन; गत्यात्मक मांग फलन; अनुभवसिद्ध मांग फलन; मांग फलनों की सीमाएँ; रेखीय व्यय प्रणाली—इसकी मान्यताएं; LES की मॉडल; परोक्ष उपयोगिता फलन; इसकी विशेषताएँ; ग्राफीय प्रस्तुतीकरण; प्रत्यक्ष और परोक्ष उपयोगिता फलनों में भेद; व्यय फलन; लंकास्टर का विशेषता मांग सिद्धांत—इसकी मान्यताएँ; कीमत प्रभाव अथवा मांग का नियम; आय प्रभाव; वस्तु अथवा ब्रांड के गुण में परिवर्तन; लंकास्टर के मांग सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन; इसकी कमियाँ; प्रश्न

Scanned by TapScanner

15 (क) मांग सिद्धान्त में बैंडवैगन, स्नॉब तथा वैब्लेन प्रभाव 278(i)-278(iv)
(Bandwagon, Snob and Veblen Effects in Demand Theory)

भाग तीन
उत्पादन सिद्धान्त
(PRODUCTION THEORY)

16. उत्पादन फलन: परम्परागत सिद्धान्त 279-297
(Production Function: The Traditional Approach)

प्रस्तावना; उत्पादन फलन—अल्पकालीन; दीर्घकालीन; निष्कर्ष; परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; पैमाने के प्रतिफल का नियम; पैमाने की किफायतें या मितव्ययिताएँ—वास्तविक आंतरिक किफायतें; आर्थिक आंतरिक किफायतें; वास्तविक बाह्य किफायतें; आर्थिक बाह्य किफायतें; आंतरिक तथा बाह्य किफायतों में सम्बन्ध; पैमाने की अमितव्ययिताएं—वास्तविक आंतरिक अमितव्ययिताएँ; आर्थिक आंतरिक अमितव्ययिताएं; आर्थिक बाह्य अमितव्ययिताएं; प्रश्न

17. उत्पादन फलन: सममात्रा-समलागत सिद्धान्त 298-336
(Production Function: The Isoquant-Isocost Approach)

सममात्रा-वक्र या समोत्पाद वक्र—सममात्रा वक्र बनाम उदासीनता-वक्र; सममात्रा-वक्रों की विशेषताएँ; समलागत वक्र; तकनीकी स्थानापन्नता की सीमान्त दर का नियम; साधन स्थानापन्नता की लोच; परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; पैमाने के प्रतिफल के नियम; पैमाने के प्रतिफल और साधन के प्रतिफल में सम्बन्ध; इष्टतम साधन संयोग का चुनाव या साधनों का न्यूनतम लागत संयोग; दी हुई लागत के लिए उत्पादन को अधिकतम करना; साधन कीमत में परिवर्तन के साथ साधन स्थानापन्नता: उत्पादन में दोहरा प्रभाव—कुल साधन-कीमत प्रभाव; स्थानापन्नता प्रभाव और उत्पादन प्रभाव को अलग करना; इष्टतम प्रसार पथ के चुनाव—दीर्घकाल में इष्टतम प्रसार पथ; अल्पकाल में इष्टतम प्रसार पथ; बहुवस्तु फर्म--इसकी मान्यतायें; बहुवस्तु फर्म का संतुलन; कॉब-डगलस उत्पादन फलन—इसकी विशेषताएँ; इसकी आलोचनाएँ; इसका महत्व; CES उत्पादन फलन—इसकी विशेषताएं; CES फलन बनाम CD फलन; CES उत्पादन फलन की सीमाएं; उत्पादन फलन बनाम उत्पादन प्रक्रिया; प्रश्न

18. तकनीकी उन्नति और उत्पादन फलन 337-342
(Technical Progress and Production Function)

अर्थ; तकनीकी उन्नति का वर्गीकरण—तटस्थ तकनीकी उन्नति; श्रम-बचतकारी तकनीकी उन्नति; पूंजी-बचतकारी तकनीकी उन्नति; असमाविष्ट और समाविष्ट तकनीकी उन्नति; इसकी सीमाएं; प्रश्न

Scanned by TapScanner

भाग चार
वस्तु-कीमत निर्धारण
(PRODUCT-PRICING)

19. **लागतों की प्रकृति तथा लोच** 343-
(The Nature of Costs and Cost Elasticity)

लेखांकन और आर्थिक लागतें; उत्पादन लागतें; वास्तविक लागत; अवसर लागत; निजी और सामाजिक लागतें; लागत फलन; लागतों का परम्परागत सिद्धांत; फर्म के अल्पकालीन लागत वक्र; फर्म के दीर्घकालीन लागत वक्र; SAC वक्र की अपेक्षा LAC अधिक चपटा; लागतों का आधुनिक सिद्धान्त—उत्पादन और प्रबन्धकीय लागतें; तकनीकी उन्नति; जानकारी; निष्कर्ष; दीर्घकालीन कुल लागत वक्र को उत्पादन फलन या प्रसार पथ से व्युत्पन्न करना; LAC और LMC वक्रों को LTC वक्र से व्युत्पन्न करना; पैमाने की किफायतें और LAC वक्र; लागतों की लोच; प्रश्न

20. **आगम की धारणा** 369-37
(The Concept of Revenue)

कुल, औसत और सीमान्त आगम; औसत आगम और सीमान्त आगम वक्रों में सम्बन्ध; आगत वक्रों का महत्व; प्रश्न

21. **पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र** 376-387
(Supply Curve under Perfect Competition)

पूर्ति का नियम; पूर्ति की लोच; पूर्ति की लोच का माप; पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म एवं उद्योग का अल्पकालीन पूर्ति वक्र; पूर्ण प्रतियोगिता में उद्योग का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र; पूर्ण प्रतियोगिता और पूर्ति वक्र की असंगति; एकाधिकार या अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र; प्रश्न

22. **पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म तथा उद्योग का संतुलन** 388-402
(Equilibrium of the Firm and Industry under Perfect Competition)

पूर्ण प्रतियोगिता; पूर्ण प्रतियोगिता बनाम शुद्ध प्रतियोगिता; फर्म और उद्योग का संतुलन; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत संसाधन आबंटन; प्रश्न

23. **पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण** 403-412
(Pricing under Perfect Competition)

संतुलन कीमत; कीमत सिद्धान्त में समय-तत्त्व का महत्त्व; बाजार कीमत तथा सामान्य कीमत में तुलना; प्रश्न

Scanned by TapScanner

परिशिष्ट
प्रतिनिधि, सन्तुलन और इष्टतम फर्म 413–421
(Representative, Equilibrium and Optimum Firm)

प्रतिनिधि फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इसकी व्यावहारिक उपयोगिता; संतुलन फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इष्टतम फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इष्टतम फर्म का आकार निर्धारित करने वाले तत्त्व; प्रश्न

24. परस्पर निर्भर कीमतें 422–429
(Interdependent Prices)

संयुक्त मांग; संयुक्त पूर्ति; सम्मिश्र अथवा स्पर्धी मांग; सम्मिश्र या स्पर्धी पूर्ति; प्रश्न

25. एकाधिकार 430–461
(Monopoly)

अर्थ, एकाधिकार के स्रोत और प्रकार; विशुद्ध एकाधिकार; एकाधिकार कीमत-निर्धारण—इसकी मान्यताएँ; कीमत-उत्पादन निर्धारण; अल्पकालीन एकाधिकार संतुलन; दीर्घकालीन एकाधिकार संतुलन; निष्कर्ष; बहुप्लांट एकाधिकार फर्म—इसकी मान्यताएँ; कीमत-उत्पादन निर्धारण; प्रवेश का भय होने पर एकाधिकार कीमत-निर्धारण; एकाधिकार कीमत विभेद—अर्थ; कीमत विभेद के प्रकार; कीमत विभेद की शर्तें; एकाधिकार विभेद में कीमत-निर्धारण; राशि-पातन; कीमत विभेद समाज के लिए हानिकारक या लाभदायक; एकाधिकार शक्ति की कोटि और माप—एकाधिकार शक्ति का माप; इसकी सीमाएँ; ट्रिफ्फिन का माप; बेन का माप; रोथ्सचाइल्ड का माप; एकाधिकार का नियन्त्रण और नियमन; एकाधिकार एवं पूर्ण प्रतियोगिता में तुलना एकाधिकार के अन्तर्गत साधन आबंटन; प्रश्न

26. एकक्रेताधिकार तथा द्विपक्षीय एकाधिकार 462–467
(Monopoly and Bilateral Monopoly)

एकक्रेताधिकार कीमत निर्धारण; एकक्रेताधिकार तथा पूर्ण प्रतियोगिता की तुलना; द्विपक्षीय एकाधिकार—इसकी मान्यताएँ; कीमत निर्धारण; प्रश्न

27. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता 468–500
(Monopolistic Competition)

अर्थ; इसकी विशेषताएँ; एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म का कीमत-निर्धारण—अल्पकालीन संतुलन; दीर्घकालीन संतुलन; चैम्बरलेन का समूह संतुलन—उद्योग और समूह की धारणा—समूह संतुलन सिद्धांत; इसकी सीमाएँ; समूह संतुलन की आलोचनाएँ; अतिरिक्त क्षमता का सिद्धान्त; चैम्बरलेन की

Scanned by TapScanner

अतिरिक्त क्षमता की धारणा; इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; इसका महत्व; विक्रय लागतें; विक्रय लागत वक्र और उसका उत्पादन लागतों पर प्रभाव; माँग वक्र पर विक्रय लागतों का प्रभाव; विक्रय लागतों के अन्तर्गत कीमत-उत्पादन निर्धारण; एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में संसाधन आबंटन की समस्या अथवा अपव्यय; एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-रहित प्रतियोगिता—वस्तु विभिन्नता; विक्रय प्रोत्साहन; गैर-कीमत प्रतियोगिता में समूह-संतुलन; पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; एकाधिकार और एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; प्रश्न

28. **द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकार** 501-5
(Duopoly and Oligopoly)

द्वयाधिकार मॉडल—द्वयाधिकार का अर्थ; कूर्नो मॉडल—कूर्नो मॉडल प्रतिक्रिया वक्रों के रूप में; इसकी आलोचनाएँ; बर्ट्रेंड मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; ऐज्वर्थ मॉडल; स्टेक्लबर्ग मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; होटलिंग मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; चैम्बरलेन मॉडल (अल्प ग्रुप मॉडल)—इसकी आलोचनाएँ; अल्पाधिकार—अर्थ; अल्पाधिकार की विशेषताएँ; अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण; स्विजी का किंकित मांग वक्र (स्थिर कीमत) मॉडल—इसकी मान्यताएँ; इसकी कमियाँ; कपटसंधिपूर्ण अल्पाधिकार—कार्टेल; संयुक्त लाभ अधिकतमकरण कार्टेल—इसकी मान्यताएँ; संयुक्त लाभ अधिकतमकरण हल; इसके लाभ; कार्टेल की कठिनाइयाँ; मार्किट बांट कार्टेल—इसकी मान्यताएँ—मार्किट बांट हल; कीमत नेतृत्व—कम-लागत कीमत नेतृत्व मॉडल—इसकी मान्यताएँ कीमत-नेता मॉडल असमान मार्किट बांट के साथ; प्रधान फर्म कीमत नेतृत्व मॉडल—इसकी मान्यताएँ; बेरोमेट्रिक कीमत नेतृत्व मॉडल; अल्पाधिकार में कीमत-रहित प्रतियोगिता; प्रश्न

29. **बेन का सीमा कीमत निर्धारण सिद्धांत** 537-544
(Bain's Limit Pricing Theory)

भूमिका; बेन का सीमा कीमत सिद्धांत—इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न

30. **पूर्ण लागत कीमत निर्धारण और लाभ अधिकतमकरण सिद्धांत** 545-557
(Profit Maximisation and Full Cost Pricing Theories)

भूमिका; लाभ अधिकतमकरण सिद्धान्त—इसकी मान्यताएँ; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत लाभ अधिकतमकरण; एकाधिकार के अन्तर्गत लाभ अधिकतमकरण—इसकी आलोचनाएँ; पूर्ण लागत अथवा औसत लागत कीमत निर्धारण का सिद्धांत; एंड्रयूज की व्याख्या; इसकी आलोचनाएँ; सीमांतवादी विवाद—सीमांतवादी सिद्धान्त के विरूद्ध तर्क; इसके पक्ष में तर्क; प्रश्न

Scanned by TapScanner

भाग सात

समष्टि अर्थशास्त्र

(MACRO ECONOMICS)

51. राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप 853-879

(Concept and Measurement of National Income)

प्रस्तावना; राष्ट्रीय आय की परिभाषा; राष्ट्रीय आय की धारणा एवं माप की विधियां; सकल घरेलू उत्पाद; सकल राष्ट्रीय उत्पाद; आय विधि; व्यय विधि; मूल्य बढ़ाव द्वारा GNP; बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; बाजार कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; घरेलू आय या उत्पाद; निजी आय; वैयक्तिक आय; प्रयोज्य आय; वास्तविक आय; प्रति व्यक्ति आय; राष्ट्रीय आय मापने की विधियां; राष्ट्रीय आय के माप में कठिनाइयां; विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएं; राष्ट्रीय आय विश्लेषण का महत्त्व; राष्ट्रीय आय धारणाओं में परस्पर संबंध; कुछ समस्याओं के हल; प्रश्न।

52. आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय 880-886

(Economic Welfare and National Income)

आर्थिक कल्याण क्या है? आर्थिक कल्याण व राष्ट्रीय आय में सम्बन्ध; राष्ट्रीय आय आर्थिक कल्याण के माप के रूप में; प्रश्न।

53. सामाजिक लेखांकन 887-895

(Social Accounting)

अर्थ; सामाजिक लेखांकन के घटक; सामाजिक लेखों का प्रस्तुतीकरण; सामाजिक लेखांकन का महत्व; सामाजिक लेखांकन की कठिनाइयां, प्रश्न।

54. रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त 896—904

(The Classical Theory of Employment)

प्रस्तावना; रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त; क्लासिकी सिद्धान्त की केन्ज द्वारा आलोचना; प्रश्न।

55. 'से' का बाजार नियम 905—909

(Say's Law of Market)

से का नियम; से नियम की प्रस्थापनाएं और उसमें निहितार्थ; से के नियम की आलोचनाएँ; प्रश्न।

56. प्रभावी मांग का नियम 910—916

(The Principle of Effective Demand)

प्रस्तावना; प्रभावी मांग का निर्धारण; प्रभावी मांग का महत्व; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

57. उपभोग फलन
(The Consumption Function) 917–
प्रस्तावना; उपभोग फलन का अर्थ; उपभोग फलन के गुण अथवा तकनीकी विशेषताएँ; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और औसत उपभोग प्रवृत्ति में संबंध; केन्ज का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम; केन्ज़ के नियम के निहित तत्व अथवा उपभोग फलन का महत्व; उपभोग फलन के निधरिक; उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय; प्रश्न।

58. उपभोग फलन के सिद्धान्त
(Thories of the Consumption Function) 931–
प्रस्तावना; केन्ज़ का उपभोग फलन सिद्धांत; निरपेक्ष आय परिकल्पना; सापेक्ष आय परिकल्पना; स्थायी आय परिकल्पना; जीवन-चक्र परिकल्पना; प्रश्न।

59. बचत फलन
(The Saving Function) 946–
बचत फलन का अर्थ; बचत प्रवृत्ति; बचत के निर्धारक; किफायत का विरोधाभास; प्रश्न।

60. निवेश फलन
(The Investment Function) 954–
निवेश और पूंजी का अर्थ; निवेश के प्रकार; पूंजी की सीमान्त उत्पादकता; निवेश की सीमान्त उत्पादकता; MEC और MEI में भेद; प्रेरित निवेश को प्रभावित करने वाले अन्य (ब्याज दर से भिन्न) कारक; प्रश्न।

61. बचत तथा निवेश समानता
(Saving and Investment Equality) 966–97
प्रस्तावना; क्लासिकी विचारधारा; केन्ज़वादी विचारधारा; अन्य मत; प्रश्न।

62. गुणक की धारणा
(The Concept of Multiplier) 973–988
प्रस्तावना; निवेश गुणक; प्रावैगिक या समयावधि गुणक; रोजगार गुणक; गुणक सिद्धान्त की विकासशील देशों पर व्यवहार्यता; प्रश्न।

63. जटिल गुणक
(Complex Multipliers) 989–99
प्रस्तावना; सरकारी व्यय गुणक; कर गुणक; संतुलित बजट गुणक; प्रश्न।

64. त्वरण सिद्धान्त तथा अतिगुणक
(The Theory of Acceleration and Super-Multiplier) 996–1006
प्रस्तावना; त्वरण सिद्धान्त; त्वरक का निवेश सिद्धान्त के रूप में कार्य; अतिगुणक या

Scanned by TapScanner

गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया; व्यापार-चक्रों में गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया का उपयोग; प्रश्न।

65. मजदूरी और रोजगार **1007–1018**
(Wages and Employment)
प्रस्तावना; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मत; लचीली मजदूरी नीति बनाम लचीली मौद्रिक नीति; प्रश्न।

66. केन्ज़ीय आय निर्धारण मॉडल **1019–1027**
(Keynesian Income Determination Model)
प्रस्तावना; दो-क्षेत्रीय मॉडल : इसकी मान्यताएं; व्याख्या; समस्त मांग और समस्त पूर्ति की समानता; बचत और निवेश की समानता; तीन-क्षेत्रीय मॉडल : सरकारी व्यय; कराधान; चार-क्षेत्रीय मॉडल : खुली अर्थव्यवस्था में आय निर्धारण; प्रश्न।

67. रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त-पूर्ण मॉडल **1028–1031**
(Keynesian Theory of Employment-Complete Model)
प्रस्तावना; आय उत्पादन और रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धान्त; प्रश्न।

68. अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धान्त की व्यवहार्यता **1032–1038**
(Applicability of Keynes's Theory on Underdeveloped Countries)
प्रस्तावना; केन्ज़वादी मान्यताएँ तथा अल्पविकसित देश; केन्ज़वादी सिद्धान्त के औज़ार तथा अल्पविकसित देश; प्रश्न।

69. क्लासिकी और केन्ज़ीय मॉडलों की तुलना **1039–1049**
(Comparison of Classical and Keynesian Models)
जनरल थ्योरी : विकासी या क्रांतिकारी; क्लासिकी बनाम केन्ज़ीय सिद्धान्त; केन्ज़ के सिद्धान्त की आलोचनाएं; निष्कर्ष; प्रश्न।

भाग आठ

व्यापार चक्र तथा आर्थिक वृद्धि के सिद्धांत

(THEORIES OF TRADE CYCLES AND ECONOMIC GROWTH)

70. व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धान्त **1050–1083**
(Nature of Trade Cycles and Theories)
अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएं; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त; स्थिरीकरण नीतियाँ अथवा व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न।

Scanned by TapScanner

71. हैरॅड तथा डोमर के मॉडल **1084–10**

(The Harrod-Domar Model)

सतत् वृद्धि की आवश्यकताएं; डोमर का मॉडल; हैरॅड का मॉडल; इन मॉडलों की सीमाएँ; हैरॅड-डोमर मॉडलों की अल्पविकसित देशों पर व्यवहार्यता; अल्पविकसित देशों की दृष्टिकोण से वृद्धि मॉडलों की सीमाएं; निष्कर्ष; प्रश्न।

72. आर्थिक वृद्धि का नव-क्लासिकी मॉडल **1097–110**

(The Neo-Classical Model of Economic Growth)

मॉडल; श्रम (n) का लचीलापन; लचीला पूंजी-उत्पादन अनुपात; बचत अनुपात का लचीलापन; लचीला बचत अनुपात तथा लचीला पूँजी-उत्पादन अनुपात; तकनीकी उन्नति; प्रश्न।

Scanned by TapScanner